(हिन्दी दैनिक) Email :thegramtodayeditor@gmail.com R.N.I No. UTTHIN/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, संघ प्रदेश एवम बुंदेलखंड से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 6 अंक : 221 मंगलवार, 12, मार्च, 2024 कुल पेज : 08 मूल्य प्रति 2/- रूपया

डकोर पुलिस ने अवैध असला बनाने की ... पर मारा छापा अभियुक्त को किया गिर...

एक साथ उठे दोनो दोस्तों के ज... सड़क हादसे मे सहारनपुर मे हुई ...

विधायक एवं पूर्व मंत्री ने ... फोरलेन सड़क का किया ...

लोक संस्कृति एनजीओ द्वारा कवि सम्मेलन एवं महिला सम्मान समारोह संपन्न

दिनांक 07 मार्च 2024, लोक संस्कृति एनजीओ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारती कॉलेज जनकपुरी दिल्ली में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, इस अवसर पर आर.पी.आई. पार्टी की राष्ट्रीय सचिव लक्ष्मी देवी जी मुख्य अतिथि, दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सत्यार्थी, महादेव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज नंदा, कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सलोनी गुप्ता एवं प्रोफ. मंजू शर्मा जी विशिष्ट अतिथि की भूमिका में उपस्थित रहीं भारती कॉलेज के अमूल्य सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में शायर राज कौशिक, डॉ. समोद सिंह, डॉ. स्वदेश सिंह, उपेन्द्र पांडे, राजरानी भल्ला, सरला मिश्रा, ममता लड़ीवाल एवं धर्मवीर शर्मा निश्चिंत जी ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर किया कार्यक्रम की सह आयोजक नीलम ठाकुर, संयोजक एवं आयोजक धर्मवीर शर्मा निश्चिंत द्वारा सभी अतिथियों, कविगणों एवं महिलाओं को अंगवस्त्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया, लोक संस्कृति एनजीओ शिक्षा स्वास्थ्य महिला सशक्तिकरण समाज सेवा साहित्य कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर कार्यरत है संस्था के साथ जुड़ने के लिए कृपया सवोंदेतपजप. वतह पर विजिट कीजिएगा।

कुलदीप गंगवार बने ...ली के जिला अध्यक्ष

मुंबई पहुंचने पर कृपाशंकर सिंह का जोरदार स्वागत

गया-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाईवा के चपेट में आए बाइक सवार, चार युवकों की दर्दनाक मौत

आईसीएसएसआर ने भारती कॉलेज में आयोजित की कार्यशाला

नई दिल्ली। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना के लिए एक प्रसार कार्यशाला का आयोजन भारती कॉलेज के सभागार में बुधवार को किया गया। इस कार्यशाला का शीर्षक था, 'भारत में नई आयकर व्यवस्था के कम कार्यान्वयन के पीछे जागरूकता की कमी और अन्य विसंगतियां' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. वी. के. सिंघानिया थे। डॉ. वी. के. सिंघानिया ने कराधान में अपनी विशेषज्ञता साझा की और उपस्थित लोगों को भारत में पुरानी और नई कर व्यवस्था में अंतर के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भविष्य में कैसे सूचित विकल्प चुन सकते हैं। कार्यशाला में प्रोफेसर सलोनी गुप्ता (प्रिंसिपल), डॉ. सोनिया कौशिक (परियोजना निदेशक) और अन्य सह-परियोजना निदेशक भी उपस्थित थे।

हरिभूमि

भारती कॉलेज में कार्यशाला आयोजित

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना के लिए एक प्रसार कार्यशाला का आयोजन भारती कॉलेज के सभागार में किया गया था। बुधवार को आयोजित इस कार्यशाला का शीर्षक था, "भारत में नई आयकर व्यवस्था के कम कार्यान्वयन के पीछे जागरूकता की कमी और अन्य विसंगतियां' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. वीके सिंघानिया थे। डॉ. सिंघानिया ने कराधान में अपनी विशेषज्ञता साझा की और उपस्थित लोगों को भारत में पुरानी और नई कर व्यवस्था में अंतर के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भविष्य में कैसे सूचित विकल्प चुन सकते हैं। कार्यशाला में प्रोफेसर सलोनी गुप्ता (प्रिंसिपल), डॉ. सोनिया कौशिक (परियोजना निदेशक) और अन्य सह-परियोजना निदेशक भी उपस्थित थे। इस कार्यशाला में लगभग 350 शिक्षाविदों, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों, कर प्रबंधन सलाहकारों, परियोजना के उत्तरदाताओं और विभिन्न कॉलेजों के गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला में आयकर मामलों पर चर्चा

नई दिल्ली। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित अल्पकालिक अनुसंधान परियोजना के लिए एक प्रसार कार्यशाला का आयोजन भारती कॉलेज के सभागार में किया गया। भारत में नई आयकर व्यवस्था के कम कार्यान्वयन के पीछे जागरूकता की कमी और अन्य विसंगतियां शीर्षक पर आधारित इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ वी के सिंघानिया थे। इस अवसर पर उन्होंने कराधान में अपनी विशेषज्ञता को साझा किया और उपस्थित लोगों को भारत में पुरानी और नई कर व्यवस्था में अंतर के विषय में जानकारी दी। ब्यूरो

अमर उजाला

आईसीएसएसआर ने भारती कॉलेज में कार्यशाला आयोजित की

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना के लिए एक प्रसार कार्यशाला का आयोजन भारती कॉलेज के सभागार में किया गया था। बुधवार, 6 मार्च को आयोजित इस कार्यशाला का शीर्षक था, ÷भारत में नई आयकर व्यवस्था के कम कार्यान्वयन के पीछे जागरूकता की कमी और अन्य विसंगतियां÷ कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. वी. के. सिंघानिया थे। डॉ. वी. के. सिंघानिया ने कराधान में अपनी विशेषज्ञता साझा की और उपस्थित लोगों को भारत में पुरानी और नई कर व्यवस्था में अंतर के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भविष्य में कैसे सूचित विकल्प चुन सकते हैं। कार्यशाला में प्रोफेसर सलोनी गुप्ता (प्रिंसिपल), डॉ. सोनिया कौशिक (परियोजना निदेशक) और अन्य सह-परियोजना निदेशक भी उपस्थित थे। इस कार्यशाला में लगभग 350 शिक्षाविदों, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों, कर प्रबंधन सलाहकारों, परियोजना के उत्तरदाताओं और विभिन्न कॉलेजों के गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ. सोनिया कौशिक द्वारा परियोजना के परिणामों को सभी उपस्थित लोगों के साथ साझा किया गया। इस कार्यशाला के सफल आयोजन के बाद, भारत में नई कर व्यवस्था की अनुकूलनशीलता बढ़ाने के लिए प्राथमिक सर्वेक्षण और गुणात्मक साक्षात्कार और उपस्थित लोगों के सुझावों के आधार पर महत्वपूर्ण नीति सिफारिशें की जाएंगी।

आईसीएसएसआर द्वारा भारती कॉलेज में कार्यशाला आयोजित

दिल्ली। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना के लिए एक प्रसार कार्यशाला का आयोजन भारती कॉलेज के सभागार में किया गया था। बुधवार, 6 मार्च को आयोजित इस कार्यशाला का शीर्षक था, +भारत में नई आयकर व्यवस्था के कम कार्यान्वयन के पीछे जागरूकता की कमी और अन्य विसंगतियां+ कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. वी. के. सिंघानिया थे। डॉ. वी. के. सिंघानिया ने कराधान में अपनी विशेषज्ञता साझा की और उपस्थित लोगों को भारत में पुरानी और नई कर व्यवस्था में अंतर के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भविष्य में कैसे सूचित विकल्प चुन सकते हैं। कार्यशाला में प्रोफेसर सलोनी गुप्ता (प्रिंसिपल), डॉ. सोनिया कौशिक (परियोजना निदेशक) और अन्य सह-परियोजना निदेशक भी उपस्थित थे। इस कार्यशाला में लगभग 350 शिक्षाविदों, अनुसंधान विद्वानों, छात्रों, कर प्रबंधन सलाहकारों, परियोजना के उत्तरदाताओं और विभिन्न कॉलेजों के गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ. सोनिया कौशिक द्वारा परियोजना के परिणामों को सभी उपस्थित लोगों के साथ साझा किया गया। इस कार्यशाला के सफल आयोजन के बाद, भारत में नई कर व्यवस्था की अनुकूलनशीलता बढ़ाने के लिए प्राथमिक सर्वेक्षण और गुणात्मक साक्षात्कार और उपस्थित लोगों के सुझावों के आधार पर महत्वपूर्ण नीति सिफारिशें की जाएंगी।

दो वर्षो के उपरांत क्रीडा उत्सव का आयोजन

पूर्व खिलाड़ी छात्रों एवं शिक्षको को पुरस्कार प्रदान किए गए

संवाददाता (विश्व गुरु भारत)

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती महाविद्यालय में दो वर्षो के बाद 29 फरवरी 2024 को शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा क्रीडा उत्सव 24 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, इसकी शुरुआत सुबह 10:30 बजे सभागार में हुई, प्रारंभ में महाविद्यालय की खेल संयोजक लुकें खन्ना ने अतिथियों का स्वागत किया तथा मृदंग के सदस्यों ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना गया और सभागार में मौजूद छात्रों, शिक्षको एवं अतिथियों द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय का लोक गीत गाया गया। प्राचार्य श्रीमती सला. नी गुप्ता एवम् कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शूटिंग ओलंपियन शगुन चौधरी द्वारा द्वीप प्रजवल्लन किया गया। इसके उपरांत महाविद्यालय की प्राचार्य ने वक्तव्य में कहा की आज का कार्यक्रम हमारे शूरव. ीर खिलाड़ियों को समर्पित है एवं खिलाड़ियों के परिश्रम तथा संघर्ष की सराहना की, इसके बाद कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि एवं राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी प्राध्यापक सरिता त्यागी ने सभी को खेल के प्रति प्रेरित किया तथा खेल में गुरु एवं खेल प्रबंधन समिति के महत्व की जानकारी दी, तथा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शगुन चौधरी ने अपने जीवन के संघर्ष तथा खेल क्षेत्र में पुरुष प्रधान की भूमिका ने उनके जीवन को कैसे प्रभावित किया इसके संदर्भ में बताया। इसके बाद महाविद्यालय की लोकनृत्य समिति फुलकारी के सदस्यों द्वारा पंजाबी नृत्य, देशभूमि समिति के सदस्यों द्वारा उत्तराखंड की सुंदरता को नृत्य द्वारा प्रस्तुत किया, तथा मृदंग सोसायटी के सदस्यों ने महिला खिलाड़ियों के परिश्रम, आलोचनाओं एवं संघर्ष को नृत्य के माध्यम से प्रदर्शित किया। इसके बाद पूर्व तथा वर्तमान खेल छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा शिक्षक एवं गैर शिक्षक के मध्य हुए प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में राष्ट गान हुआ और कार्यक्रम का समापन गणमान्य अतिथियों के अभिनंदन एवं ज्ञानवर्धन शब्दो के साथ हुआ। भारती महाविद्यालय के छात्रों, शिक्षको एवं सदस्यों ने इस कार्यक्रम का आनंद लिया एवं अपनी भागीदारी से कार्यक्रम को विशेष एवं यादगार बनाया।

खेल की भावना को जगाता दिखा क्रीड़ा उत्सव

दो साल बाद हुआ भारती महाविद्यालय का खेल उत्सव

नई दिल्ली, 29 फरवरी (नवोदय टाइम्स): दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा क्रीडा उत्सव 24 का आयोजन वीरवार को किया गया। इस मौके पर शूटिंग ओलंपियन शगुन चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। वहीं महाविद्यालय की खेल संयोजक लुके खन्ना और प्राचार्य सलोनी गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए क्रीडा उत्सव के दो साल बाद होने की बात कही।

मुख्य अतिथि शगुन चौधरी ने अपने जीवन के संघर्ष तथा खेल क्षेत्र में पुरुष प्रधान की भूमिका ने उनके जीवन को कैसे प्रभावित किया इसके संदर्भ में बताया। इसके बाद महाविद्यालय की लोकनृत्य समिति फुलकारी के सदस्यों द्वारा पंजाबी नृत्य, देशभूमि समिति के सदस्यों द्वारा उत्तराखंड की सुंदरता को नृत्य द्वारा प्रस्तुत किया, तथा मृदंग सोसायटी के सदस्यों ने महिला खिलाड़ियों के परिश्रम, आलोचनाओं एवं संघर्ष को नृत्य के माध्यम से प्रदर्शित किया। इसके बाद पूर्व तथा वर्तमान खेल छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा शिक्षक एवं गैर शिक्षक के मध्य हुए प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

10:28 A

भारती कॉलेज में दो साल के बाद खेल उत्सव आयोजित

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध भारती कॉलेज में दो वर्षों के बाद बृहस्पतिवार को शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा खेल उत्सव 2024 आयोजित किया गया। प्रारंभ में कॉलेज की खेल संयोजक लुके खन्ना ने अतिथियों का स्वागत किया तथा मृदंग के सदस्यों ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना गाई। सभागार में मौजूद छात्रों, शिक्षकों एवं अतिथियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय का लोक गीत गाया। कॉलेज की प्राचार्य सलोनी गुप्ता व कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शूटिंग ओलंपियन शगुन चौधरी ने द्वीप प्रज्ज्वलित किया। कॉलेज की प्राचार्य ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह कार्यक्रम हमारे शूरवीर खिलाड़ियों को समर्पित है। उन्होंने खिलाड़ियों के परिश्रम तथा संघर्ष की सराहना की। इसके बाद कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि एवं राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी प्राध्यापक सरिता त्यागी ने सभी को खेल के प्रति प्रेरित किया तथा खेल में गुरु एवं खेल प्रबंधन समिति के महत्व की जानकारी दी।

डीयू : भारती कॉलेज में हुआ खेल उत्सव का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती महाविद्यालय में दो वर्षों के बाद गुरुवार को शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग ने खेल उत्सव 24 का आयोजन किया। इस अवसर पर पूर्व खिलाड़ी छात्रों एवं शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10:30 बजे सभागार में हुई, प्रारंभ में महाविद्यालय की खेल संयोजक लुके खन्ना ने अतिथियों का स्वागत किया तथा मृदंग के सदस्यों ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना गया और सभागार में मौजूद छात्रों, शिक्षकों एवं अतिथियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय का लोक गीत गाया।

छात्राओं के स्किल डेवलपमेंट पर है विशेष जोर : प्रो. सलोनी गुप्ता

जासं, पश्चिमी दिल्ली : जनकपुरी स्थित भारती कालेज की प्राचार्य प्रो. सलोनी गुप्ता ने बताया कि नई शिक्षा नीति को मद्देनजर रखते हुए छात्राओं के स्किल डेवलपमेंट पर विशेष जोर है। इसके लिए सभी विभाग अपने-अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। बीते दिनों राजनीतिक विज्ञान विभाग की छात्राओं ने क्षेत्रीय सांसद प्रवेश वर्मा के नेतृत्व में संसद का रुख किया था। यहां उन्होंने संसद की गतिविधि को देखा और समझा। अब तक उन्होंने सिर्फ किताबों में इसके बारे में पढ़ा था, पर संसद में उन्होंने व्यवहारिक अनुभव भी प्राप्त किया। प्रो. गुप्ता ने बताया कि स्किल डेवलपमेंट से ही समाज आत्मनिर्भर बनता है।

प्रो. सालोनी गुप्ता

आबिद हुसैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल (सेल्फ-फाइनेंस), जामिया गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल (सेल्फ फाइनेंस) और मुशीर फातमा नर्सरी स्कूल के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म आज से उपलब्ध होंगे और आवेदन शुल्क 500 रुपए रखा गया है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की

आवेदन पत्र (हार्ड
बालक माता केंद्रों में प्रवेश के लिए
मटिया महल, कसाबपुरा और बेरीवाला
में उपलब्ध होंगे और संबंधित केंद्रों पर
जमा किए जाएंगे। अधिक विवरण और
प्रवेश अपडेट के लिए विश्वविद्यालय
की वेबसाइट देखी जा सकती है।

राष्ट्र प्रेम को बनाएं जीवन का उद्देश्य : प्रो केपी सिंह

नई दिल्ली (एसएनबी)। राष्ट्र प्रेम ही जीवन का उद्देश्य एवं जीवन की सार्थकता है। भारती कॉलेज के गांधी अध्ययन केन्द्र में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में गांधी भवन के निदेशक प्रो. केपी सिंह ने ये विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्य प्रो. सलोनी गुप्ता ने बापू के राष्ट्र प्रेम, सत्य और अहिंसा के प्रति दृढ़ निष्ठा एवं उनका राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च बलिदान के प्रति छात्रों एवं उपस्थित अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया।

■ भारती कॉलेज में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित

प्राचार्य ने कहा कि गांधी एक सच्चे राम भक्त थे और अपना भौतिक शरीर भी उन्होंने हे राम कहते हुए छोड़ा था जो एक ऋषियों के लिए भी दुर्लभ होता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस रामराज्य की स्थापना के लिए गांधी ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया उसके पूरा होने का भी सही समय आ गया है। वास्तव में गांधी के सपनों के भारत का अब पूरा होने का सही वक्त आ गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीयू के साउथ कैम्पस के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने चंपारण सत्याग्रह एवं गांधी को गांधी के नजरिए से समझने पर जोर दिया और गांधी के राम राज्य एवं स्वराज की मूल भावनाओं को गंभीरता से छात्रों के बीच रखा। डॉ. चंदा सागर ने दिव्यांगों के समस्याओं के प्रति कॉलेज का ध्यान आकर्षित किया।

विश्व वैष्णव सम्मेलन 8 को भारत मंडपम् में

उन्होंने भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के राष्ट्रगान की भी रचना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 अप्रैल

की हिम्मत नहीं करेगा। भारतीय जनता पार्टी ममता दीदी के हिटलर जैसे शासन को नहीं चलने देगी।

पक्ष ने अदालत से कहा कि वैज्ञानिक से जब्त किए गए उपकरणों की फॉरेंसिक रिपोर्ट मिल

शोषण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पहला भेरवदत्त पत्रकार पुरस्कार रावत को

इंडिया न्यूज

देहरादून। स्वतंत्रता सेनानी भैरवदत्त धूलिया के नाम पर पहला पत्रकार पुरस्कार उत्तराखंड के पत्रकार जय सिंह रावत को दिया जाएगा। इसकी घोषणा कर्मभूमि फाउंडेशन के सचिव हिमांशु धूलिया ने यहां की। धूलिया ने बताया कि भैरवदत्त धूलिया पत्रकार पुरस्कार समिति ने कई प्रविष्टियों के अध्ययन के बाद जाने माने पत्रकार जयसिंह रावत का चयन किया। रावत विभिन्न पत्रों व पत्रिकाओं में काम कर चुके हैं। रावत को यह पुरस्कार पर्यावरणविद चंडीप्रसाद भट्ट यहां आई आर डी टी हाल में आयोजित समारोह में प्रदान करेंगे।

भारती कॉलेज में हुआ पूर्व छात्राओं का सम्मेलन

इंडिया न्यूज

नई दिल्ली। भारती कॉलेज में यहां पूर्व छात्राओं के लिए आयोजित मिलन समारोह में पूर्व छात्रा मैथिली ठाकुर समेत कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। मुख्य अतिथि के रूप में ठाकुर ने अपने अनुभव सुनाए। विशिष्ट अतिथि के रूप में कालेज शासी निकाय की अध्यक्ष प्रो रेतु सपरा का सानिध्य भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो सलोनी गुप्ता ने किया।

उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत आने वाले भारती कॉलेज ने छोटे से स्कूल से शुरूआत कर इतनी ऊंचाई प्राप्त की कि आज देश के जानेमाने कालेजों में इसका नाम शुमार है। यहां से पढ़ने वाली छात्राएं देश दुनिया में कई महत्वपूर्ण पदों में विराजमान हैं। बड़ी संख्या में आई पूर्व छात्राओं ने अपने किस्से सुनाए।

ा कर्फ्यू नो दंगा...यूपी में सब चंगा

्त्यनाथ ने जनता से मतदान की अपील की

सहायता राशि, गंभीरघायलों को 50 हजार रुपए, कम एवं साधारणघायलों को 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

भारती कालेज: पूर्व छात्राओं का सम्मेलन

मैथिली समेत कई हस्तियों ने की शिरकत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारती कॉलेज में पूर्व छात्राओं के लिए आयोजित मिलन समारोह में पूर्व छात्रा मैथिली ठाकुर समेत कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। मुख्य अतिथि के रूप में ठाकुर ने अपने अनुभव सुनाए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में कॉलेज शासी निकाय की अध्यक्ष प्रो. रितु सपरा भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो. सलोनी गुप्ता ने किया। उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत आने वाले भारती कॉलेज ने छोटे से स्कूल से शुरुआत कर इतनी ऊंचाई प्राप्त की कि आज देश के जाने-माने कालेजों में इसका नाम शुमार है।

यहां से पढ़ने वाली छात्राएं देश दुनिया में कई महत्वपूर्ण पदों पर विराजमान है। बड़ी संख्या में आई पूर्व छात्राओं ने अपने किस्से सुनाए।

घायल, अब तक तीन चीतों ने तोड़ा दम

भारती कॉलेज में हुई पारंपरिक भारतीय और रूसी गीतों की प्रस्तुतियां

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर (नवोदय टाइम्स) : दिल्ली विश्वविद्यालय संस्कृति परिषद के सहयोग से भारती कॉलेज में जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें पारंपरिक भारतीय और रूसी गीतों की रोचक प्रस्तुतियाँ हुई।

भारत-रूस के बीच संबंधों को लेकर भारती कॉलेज में जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित

डीयू के संस्कृति परिषद की ओर से भारती कॉलेज में प्रस्तुतियां देतीं छात्राएं।

कार्यक्रम का अंतर्निहित विषय मजबूत भारत-रूस संबंधों पर केंद्रित था। भारती कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय के स्लावोनिक और फिनो-उग्रियन अध्ययन विभाग के साथ भी सहयोग किया। मुख्य अतिथि दक्षिणी दिल्ली परिसर निदेशक प्रो. श्रीप्रकाश सिंह और विशिष्ट अतिथि संस्कृति परिषद संचालन समिति के चेयरपर्सन अनूप लाठर और संस्कृति परिषद के डीन प्रो. रविंदर कुमार द्वारा किया गया। सम्मेलन में पारंपरिक भारतीय और रूसी गीतों, प्रसिद्ध रूसी गीत मॉस्को नाइट्स और रूसी लोक गीत कत्यूषा, पर कथक प्रदर्शन जैसे नृत्य और सांस्कृतिक प्रदर्शनों की प्रस्तुतियां की गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक विशेष नाटक ओम-भारत एक स्वर्णिम यात्रा था जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। भारती कॉलेज ने सांस्कृतिक और खाद्य प्रदर्शनियां भी प्रदर्शित कीं जिनमें भारत और रूस के इतिहास, कला, संस्कृति, परंपराओं और साहित्य पर प्रकाश डालने वाले अवशेष, पेंटिंग, शास्त्र, हस्तशिल्प और व्यंजन थे।

भारती कॉलेज में किया पौधरोपण

इंडिया न्यूज

नई दिल्ली। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के नेहरू युवा केंद्र द्वारा चलाए जा रहे मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत आज यहां दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज में पौधरोपण अभियान का विशेष कार्यक्रम चलाया गया। इस अभियान के तहत 75 से ज्यादा फलदार पौधे लगाए गए। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता ने इस मौके पर अपने सहयोगियों और छात्राओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृत काल के पंच प्रण की शपथ भी दिलवाई। जिसमें कहा गया कि मैं शपथ लेती हूं कि देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करूंगी और इसके उत्थान के लिए हमेशा कार्य करती रहूंगी। मैं शपथ लेती हूं कि देश की एकता के लिए सदैव प्रयासरत रहूंगी। मैं शपथ लेती हूं कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पालन करूंगी। मैं शपथ लेती हूं कि देश के गौरव के लिए प्राण देने वाले वीरों से प्रेरित होकर राष्ट्र की रक्षा सम्मान और प्रगति के लिए समर्पित रहूंगी।

कॉलेज में पौधरोपण करतीं मुख्यातिथि। आज समाज

प्रधानमंत्री की इस शपथ का प्रण सभी ने लिया। इस मौके पर मौजूद स्टाफ और छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। भारती कॉलेज की एनएसएस योजनाधिकारी डॉ. आशा तिवारी ने बताया कि नेहरू युवा केंद्र, दक्षिण पश्चिम जिले की मदद से यह सफल कार्यक्रम हुआ।

पारंपरिक भारतीय और रूसी गीतों की प्रस्तुतियां

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विश्वविद्यालय संस्कृति परिषद के सहयोग से भारती कॉलेज में एक जी20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें पारंपरिक भारतीय और रूसी गीतों की रोचक प्रस्तुतियां हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे दक्षिणी दिल्ली परिसर के निदेशक प्रो. श्रीप्रकाश सिंह और बतौर विशिष्ट अतिथि पहुंचे संस्कृति परिषद संचालन समिति के चेयरपर्सन अनूप लाठर व संस्कृति परिषद के डीन प्रो. रविंदर कुमार द्वारा किया गया। सम्मेलन में पारंपरिक भारतीय और रूसी गीतों, प्रसिद्ध रूसी गीत 'मॉस्को नाइट्स' और रूसी लोक गीत 'कत्यूषा' पर कथक प्रदर्शन जैसे नृत्य और सांस्कृतिक प्रदर्शनों की प्रस्तुतियां की गई।

भारती कॉलेज में हुई पारंपरिक भारतीय और रूसी गीतों की प्रस्तुतियाँ

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय संस्कृति परिषद के सहयोग से भारती कॉलेज में एक जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें पारंपरिक भारतीय और रूसी गीतों की रोचक प्रस्तुतियाँ हुई। 27 अक्टूबर को आयोजित इस कार्यक्रम का अंतर्निहित विषय मजबूत भारत-रूस संबंधों पर केंद्रित था। भारती कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय के स्लेवोनिक और फिनो-उग्रियन अध्ययन विभाग के साथ भी सहयोग किया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे दक्षिणी दिल्ली परिसर के निदेशक प्रो. प्रकाश सिंह और बतौर विशिष्ट अतिथि पहुंचे संस्कृति परिषद संचालन समिति के चेयरपर्सन अनूप लाठर तथा संस्कृति परिषद के डीन प्रो. रविंदर कुमार ने किया।

दैनिक जागरण

गीले कूड़े से खाद बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहीं छात्राएं

भारती कालेज की इनेक्टस सोसायटी की पहल, सब्जी विक्रेताओं को मुहिम से जोड़ा जा रहा

10 किलो गीला कूड़ा और दो किलो जैविक खाद संयंत्र में डाली जाती है

45 से 55 दिन बाद करीब 30 किलोग्राम खाद तैयार हो जाती है

जी–20 शिखर वार्ता पर कार्यक्रम आयोजित

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): जनकपुरी स्थित भारती कॉलेज सांस्कृतिक परिषद दिल्ली विश्वविद्यालय और भारती कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में "भारत और रूस की जी–20 शिखर वार्ता (व्यापार और रोजगार के स्वर्णिम अवसरों के माध्यम से सशक्त होती साझेदारी)' से संबंधित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय (दक्षिणी परिसर) के निदेशक प्रकाश सिंह और मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि अनूप सिंह लाठर और प्रो.रविंद्र सिंह भी उपस्थित रहें। प्रकाश सिंह ने भारत और रूस के बढ़ते संबंधों पर प्रकाश डालते हुए वैश्विक परिदृश्य में भारत की उभरती हुई छवि को रेखांकित किया। नोडल ऑफिसर फातिमा हुसैन ने बताया कि भारत और रूस से संबंधों को लेकर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता तथा पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर भारती कॉलेज की छात्राओं के द्वारा भारत और रूस से सबंधित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा प्रदर्शनियां प्रस्तुति की गई। भारत और रूस के व्यंजन भी छात्राओं के मध्य आकर्षण का केंद्र रहें। कार्यक्रम का समापन दोनों देशों के राष्ट्रगान के साथ हुआ।

Sat, 28 October 2023
https://mpaper.punjabkesari.com/c/7377

वर्ष 20 ● अंक 22 नई दिल्ली ● (रविवार) 24 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2023 ● पृष्ठ – 8 ● मूल्य 5 रूपये
RNI No.DELHIN/2004/12965
उदय प्रकाश
साप्ताहिक
Tel.: 9811237598, 9871592598 E-mail Address: udayprakashnews07@gmail.com

Bharati College (University of Delhi) Illuminates Annual Day with Grandeur

-HARSH KUMAR-

New Delhi. September 25, 2023 - On a splendid day, Bharati College (University of Delhi) set the stage ablaze as it celebrated its Annual Day in a grand and resplendent manner. The event was marked by the gracious presence of Chief Guest Dr. Sonal Mansingh, a distinguished Padma Vibhushan Awardee and Member of Parliament, Rajya Sabha, along with the esteemed Guest of Honor, Prof. Balram Pani, the distinguished Dean of Colleges at Delhi University, was a testament to the college's commitment to excellence and cultural enrichment.

The festivities commenced with the ceremonial Lighting of the Lamp, a profoundly moving Saraswati Vandana, and a captivating rendition of the Kulgeet, all of which served as a vivid symbol of the college's rich cultural tapestry and its unwavering dedication to intellectual enlightenment. Prof. Kavita Sharma, the esteemed Chairperson of the Governing Body, extended a warm and cordial welcome to the attendees, setting the tone for an evening filled with grace and distinction.

Prof. Saloni Gupta, the honourable Principal of Bharati College presented the highly anticipated Annual Report, which provided a comprehensive overview of the college's extraordinary achievements and notable milestones over the past year. It was a moment of reflection and pride, underlining the institution's continuous pursuit of excellence.

The crowning moments of the event, however, were the inspirational addresses delivered by Chief Guest Dr. Sonal Mansingh and Guest of Honor Prof. Balram Pani. Dr. Sonal Mansingh's eloquent speech resonated deeply with the audience, while Prof. Balram Pani's insightful words left everyone in awe. Their presence added immeasurable value to the celebration. An eagerly awaited event of the evening was the unveiling of the College Magazine, a vivid testament to the creative brilliance that thrives within the college's student and faculty community. It showcased literary prowess, artistic flair, and intellectual depth, leaving all in admiration.

The joyous Prize Distribution Ceremony was a fitting tribute to the outstanding achievements of students across various academic and extracurricular domains. The resounding applause and cheers underscored the collective pride of the college community. The evening also featured a vibrant

Cultural Programme, a mesmerizing display of diverse talents, and the cultural tapestry that weaves the college community together. The performances were a testament to the unity in diversity that thrives within the institution. As the event drew to a close, a heartfelt vote of thanks expressed profound gratitude to all those who had played a pivotal role in making the Annual Day celebration an unqualified success. It acknowledged the tireless efforts of the faculty, staff, students, and volunteers who had poured their hearts into the event.

The Annual Day celebration concluded on a patriotic note, with all in attendance joining in a harmonious rendition of the National Anthem, a poignant reminder of the unity that binds the nation. This Annual Day event, with its grandeur, intellectual depth, and artistic brilliance, encapsulated the spirit of excellence, talent, and unity that defines Bharati College (University of Delhi).

It was a momentous evening that not only celebrated the institution's academic achievements but also underscored its unwavering commitment to nurturing cultural growth and fostering a sense of community among its students.

वर्ष 20 ● अंक 19 नई दिल्ली ● (रविवार) 03 सितम्बर से 09 सितम्बर, 2023 ● पृष्ठ – 8 ● मूल्य 5 रुपये
RNI No.DELHIN/2004/12965
उदय प्रकाश
साप्ताहिक
Tel.: 9811237598, 9871592598 E-mail Address: udayprakashnews07@gmail.com

'अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग, दिल्ली सरकार' एवं 'पद्म विभूषण आदित्य नाथ झा मेमोरियल ट्रस्ट' के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली सचिवालय में आयोजित

'शिक्षक दिवस समारोह' में 'भारती कॉलेज, जनकपुरी' की प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) सलोनी गुप्ता 'शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित हुए

–हर्ष कुमार–

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के 'अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग' एवं 'पद्म विभूषण आदित्य नाथ झा मेमोरियल ट्रस्ट' के संयुक्त तत्वावधान में गत 2 सितम्बर को दिल्ली सचिवालय में आयोजित 'शिक्षक दिवस समारोह' आयोग के चेयरमैन श्री जगदीश यादव के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय सेवाओं और उल्लेखनीय योगदान देने के लिए देश भर के करीबन 200 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इसी कड़ी में 'भारती कॉलेज, जनकपुरी' की प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) सलोनी गुप्ता को शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय व प्रशसनीय कार्य करने के लिए 'शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार' से विशेषतौर पर सम्मानित किया गया। प्रो. (डॉ.) सलोनी गुप्ता को यह सम्मान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक सेवा चयन बोर्ड के अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव श्री अमिताभ राजन, 'अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग' के चेयरमैन श्री जगदीश यादव, 'पद्म विभूषण आदित्य नाथ झा मेमोरियल ट्रस्ट' के समन्वयक एवं वरिष्ठ शिक्षाविद व समाज प्रमुख डॉ. भरत झा ने संयुक्त रूप से दिया।

इस दौरान 'अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग' के चेयरमैन श्री जगदीश यादव ने कहा कि इस अवसर पर 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड', 'टीचर्स एक्सीलेंस अवार्ड' का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से शिक्षा, साहित्य, चिकित्सा, विधि एवं न्याय, पत्रकारिता, खेल, संस्कृति से जुड़े लोगों को 'शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के संयोजक डॉ. भरत झा ने बताया कि इस अवसर पर 'रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया सर्विसेस बोर्ड' के चेयरमैन व पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. अमिताभ राजन, 'इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय' के पत्रकारिता विभाग के डीन प्रोफेसर ए.के. सैनी, कुलपति प्रोफेसर रमेश चंद्र, तिब्बतन पार्लिमेंट के पूर्व डिप्टी स्पीकर, नेपाल कल्चरल सेक्रेट्री, इदौर घराने के श्री बलदेव राज वर्मा, अंतरराष्ट्रीय शूटर जसपाल राना, 'इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय' के एसोसिएट प्रोफेसर श्री दुर्गेश त्रिपाठी, शिक्षाविद श्री प्रणव मिश्रा, श्री रमेश शर्मा, श्री अनुराग, श्री ललित अग्रवाल, दिल्ली फॉयर सर्विस के पूर्व चीफ डॉ. धर्मपाल भारद्वाज, वरिष्ठ पत्रकार श्री राकेश कुमार सिंह, श्री हरिओम शर्मा, श्री गणेश शर्मा, प्रो. संध्या, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. ममता जैन, डॉ. ऐ.पी. दूबे, डॉ. शशि भूषण, दीप्ति शर्मा, श्रीमती मोहिदर कौर, 'होली ग्रुप ऑफ स्कूल्स व कॉलेज' के चेयरमैन डॉ. राकेश शर्मा, 'ओ.के. मॉडल स्कूल, मोहन गार्डन' के चेयरमैन श्री योगी ओम कुमार पुंडीर, प्रबंधक श्री रवि कुमार, प्रिंसिपल डॉ. निर्मल जी, 'मॉडर्न इंटरनेशनल सी.से. स्कूल, सेक्टर–19, द्वारका' की डायरेक्टर डॉ. प्रिया माथुर, श्री सुरेंद्र सिन्हा, डॉ. मेघा, ऐश्वर्या शर्मा, श्री हेमांग शर्मा, श्री संदीप शर्मा, श्री जय कुमार, श्री नीरज कौशिक मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, एनसीईआरटी, एससीईआरटी, इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली के निजी विद्यालय के भी लगभग दो सौ से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रितु यादव एवं स्वाति वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से तमिलनाडु, महाराष्ट्र, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के शिक्षकों की मुख्य भूमिका रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री संदीप शर्मा, श्री अनूप चावला का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।